No. of Printed Pages : 4

BMAF-001

BDP/BCA/BTS

सत्रांत परीक्षा

00446

जून, 2015

BMAF-001 : मैथिली में आधार पाठ्यक्रम

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

नोट : सभ प्रश्नक उत्तर देब अनिवार्य अछि ।

1. वर्त्तनीकेँ शुद्ध करू : 5
   (a) बीहार
   (b) कृया
   (c) क्रिपा
   (d) श्रृंगार
   (e) श्रीयुत्

2. निम्नलिखित शब्दक दू-दू टा रूप देल गेल अछि/शुद्ध रूपकेँ फरांक करू : 5
   (a) पण्डा / पन्डा
   (b) महात्मा / महातमा
   (c) गगन / गगण
   (d) मंत्र / मण्त्र
   (e) पुण्य / पुन्य

3. शब्दकोशमे शब्दार्थ कोना ताकष ? 50 शब्दमे स्पष्ट करू । 5

4. निम्नलिखित पाबनि-तिहारक मास निर्धारित करू : 5

(a) जूड़शीतल – चैत / बैशाख

(b) बरसाति – जेठ / अषाढ़

(c) छठि – अगहन / कातिक

(d) नवान्न – अगहन / पूस

(e) कोजागरा – भादव / आसिन

5. विपरीतार्थक शब्द लिखू : 5

(a) राजा

(b) भाग्य

(c) जन्म

(d) शुद्ध

(e) इजोत

6. निम्नलिखित मे सँ कोनो *एक* अवतरण पर 150 शब्दमे टिप्पणी लिखू : 7

(a) प्रथमहि सङ्कर सासुर गेला ।
बिनु परिचय उपहास पड़ला ।।
पुछिओ न पुछलक बैसलाह जहाँ ।
निरधन आदर के कर कहाँ ।।
हिमगिरि-मण्डप कौतुक-रसी ।
हेरि हसल सबे बुढ़ तंपसी ।।
से सुनि गौरि रहलि सिर नाए ।
के कहत मा के तोहर जमाय ।।
साप सरीर औ काँख बोकाने ।
प्रकृति औखध जग केदहु जाने ।।
भनइ विद्यापति सहज कहू ।
आडम्बरे आदर हो सब तहू ।।

(b) लक्ष्मीसौँ हरि कहल बुझाय ।

बड़ दुख सहलनि सुर-समुदाय ।।

हम तनिकाँ देलहुँ वरदान ।

अचिरहि हरब रिपुक हम प्रान ।।

अवधपुरी जयबाक विचार ।

लेब ततहि हम न अवतार ।।

होयत प्रिये हमरहि की जाय ।

अहँ बिनु नहि कय सकब उपाय ।।

चलु-चलु भूतल प्राण पियारी ।

दुहु मिलि लेब असुर-संहारि ।।

सुनि लक्ष्मी कहलनि बड़ वेश ।

उचित विचार कयल प्राणेश ।।

लेल अयोध्या हरि अवतार ।

चारि अंशयुत राम उदार ।।

लक्ष्मी अयलिह मिथिला भूमि ।

ऋद्धि-सिद्धि संग लयिलिह जूमि ।।

7. 'हथटुट्टा कुरसी' क विषयवस्तु लिखू । 7

8. निम्नलिखित मे सँ कोनो *एक* विषय पर 300 शब्दमे लिखू : 7

(a) विद्यापतिक संरचना-शिल्प

(b) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

(c) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

9. निम्नलिखित मे सँ कोनो ***एक*** विषय पर 150 शब्दमे लिखू : *4*

(a) मधुश्रावणीक विशेषता

(b) पत्रलेखनक प्रकार

(c) अनुवादक-महत्त्व